पाठ योजना

विषय संस्कृतम्

कक्षा बीए तृतीय वर्ष

पंचम सेमेस्टर B23-SKT-501

सत्र 2026- 27

वैदिकसाहित्यपरिचयः नाटकम् एवं व्याकरणम्

अध्यापक का नाम: - डॉ सुखबीर सिंह

मास	पाठ्यक्रम
अगस्त (01-14) 2026	महाकवि कालिदास विरचित अभिज्ञानशाकुंतलम् नाटक का प्रथम अंक। पाठ्यांश की सप्रसंग व्याख्या सूक्ति व्याख्या अंकसार आलोचनात्मक प्रश्न (आगमन- निगमन,व्याख्यान विधि पुरस्सर)द्वितीय अंक । पाठ्यांश की सप्रसंग व्याख्या सूक्ति व्याख्या अंकसार आलोचनात्मक प्रश्न (आगमन- निगमन, व्याख्यान विधि पुरस्सर)
अगस्त (17-31) 2026	तृतीय अंक । पाठ्यांश की सप्रसंग व्याख्या सूक्ति व्याख्या अंकसार आलोचनात्मक प्रश्न (आगमन- निगमन, व्याख्यान विधि पुरस्सर)
सितंबर (1-15)2026	चतुर्थ अंक। पाठ्यांश की सप्रसंग व्याख्या सूक्ति व्याख्या अंकसार आलोचनात्मक प्रश्न (आगमन- निगमन, व्याख्यान विधि पुरस्सर)
सितंबर(16-30) 2026	कक्षा परीक्षा कालिदास जीवन परिचय काल विवेचन काव्य शैली नाट्य शैली संस्कृत साहित्य का इतिहास वैदिक साहित्य संहिता ब्राह्मण आरण्यक उपनिषद वेदांग साहित्य

मास	पाठ्यक्रम
अक्टूबर (01-04)2026	**मिड टर्म एग्जाम**
अक्टूबर (5-15)2026	संस्कृत साहित्य का इतिहास वैदिक साहित्य संहिता ब्राह्मण आरण्यक उपनिषद वेदांग साहित्य
अक्टूबर (16-31)2026	लघुसिद्धांतकौमुदी विभक्त्यर्थ प्रकरण सूत्रव्याख्या वाक्य रचना अशुद्धि संशोधन प्रयोजना कार्य(असाइनमेंट) अलंकार
नवंबर(1-11)2026	**दीपावली अवकाश**
नवंबर(12-30)2026	अनुप्रास श्लेष यमक उपमा उत्प्रेक्षा रूपक अतिशयोक्ति विशेषोक्ति विभावना अर्थान्तरन्यास पुनरावृत्ति
दिसंबर (01-04)2026	पुनरावृत्ति
5.12.2026	**Preparatory Holidays**

07.12.2026 onwards	**Examination**
विशेष नोट: ---	विभागीय गतिविधि के रुप में (बीए तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों हेतु) स्वरचित पत्र वाचन तथा कालिदास आधारित किसी एक प्रश्न का व्याख्यान आयोजित किया जाएगा।
पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम (**सीएलओ**): इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद, शिक्षार्थी सक्षम होंगे:	महाकवि कालिदास एवं उनकी कृतियों में वर्णित सौंदर्य बोध को समझने में विद्यार्थी सक्षम होंगे। कालिदास के समय की परिस्थितियों सामाजिक जीवन मानवीय मूल्यों के बारे में अवगत होंगे। संस्कृत साहित्य को समझने की दिशा में प्रेरित होंगे। संस्कृत व्याकरण तथा अलंकार शास्त्र के अध्ययन के प्रति प्रेरित होंगे। संस्कृत साहित्य अति प्राचीन एवं विस्तृत है संस्कृत साहित्य का आरंभ वेदों से होता हुआ निरंतर गतिमान है पाठ्यक्रम की समाप्ति पर विद्यार्थी वैदिक साहित्य से परिचित होंगे।

डॉ सुखबीर सिंह
सहायक आचार्य संस्कृत